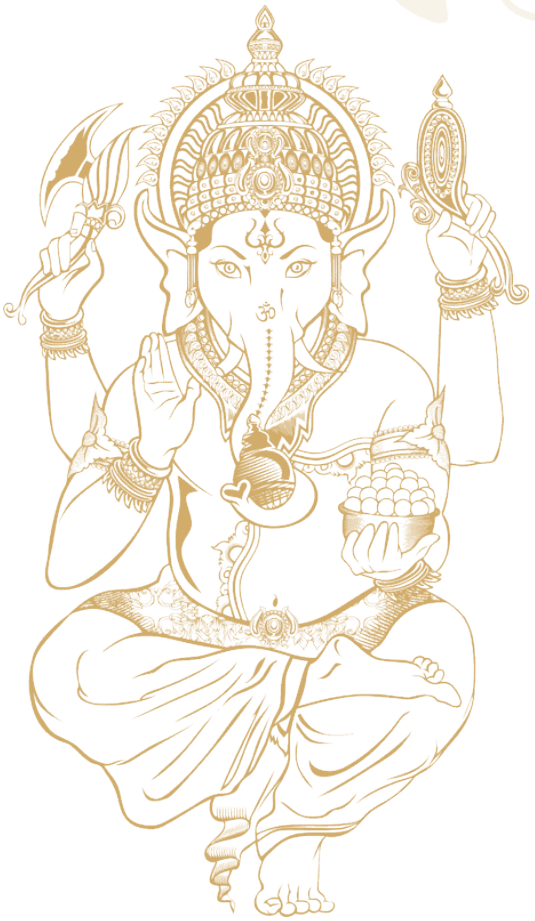

07 Aug 1993

12:59 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121149302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/08/1993**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**12:59:00 घंटे**
इष्ट	18:02:59 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:37:52 घंटे
वेलान्तर	-00:05:46 घंटे
साम्पातिक काल	09:41:12 घंटे
सूर्योदय	05:45:48 घंटे
सूर्यास्त	19:07:29 घंटे
दिनमान	13:21:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	21:02:07 कर्क
लग्न के अंश	24:15:15 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	धृति
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ञ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:15:15	307:18:30	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			कर्क	21:02:07	00:57:29	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मीन	14:32:45	11:50:45	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
मंगल			कन्या	03:15:37	00:37:26	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
बुध			कर्क	02:12:24	01:14:38	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
गुरु			कन्या	16:58:05	00:09:39	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	12:23:51	01:09:16	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि	व		कुंभ	04:07:31	00:04:20	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	15:56:05	00:06:35	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	15:56:05	00:06:35	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
हर्ष	व		धनु	25:26:46	00:02:06	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप	व		धनु	25:18:53	00:01:25	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			तुला	28:57:15	00:00:09	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
दशम भाव			कर्क	29:11:17	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:21

लग्न-चलित

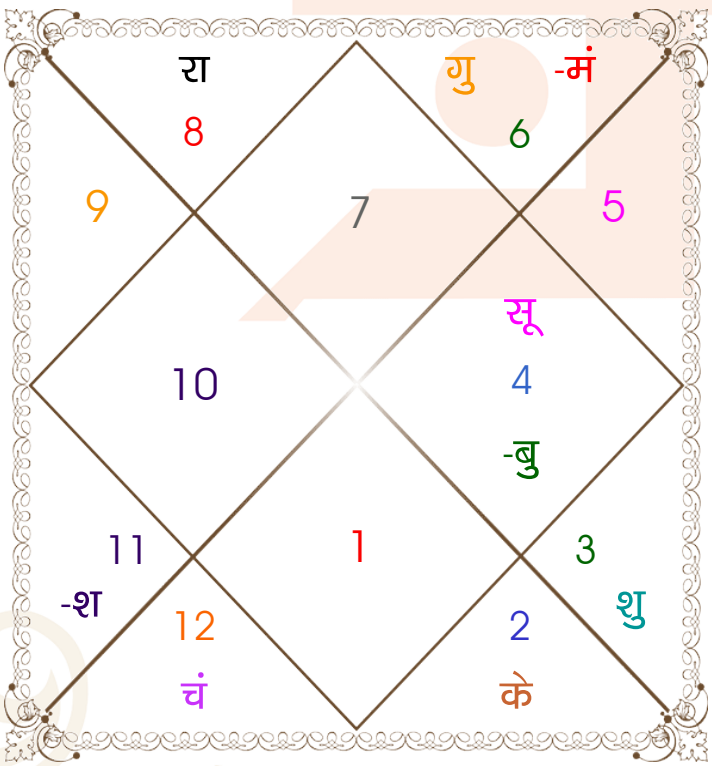

चन्द्र कुंडली

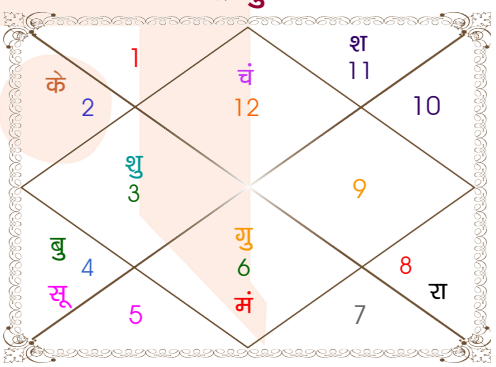

नवमांश कुंडली

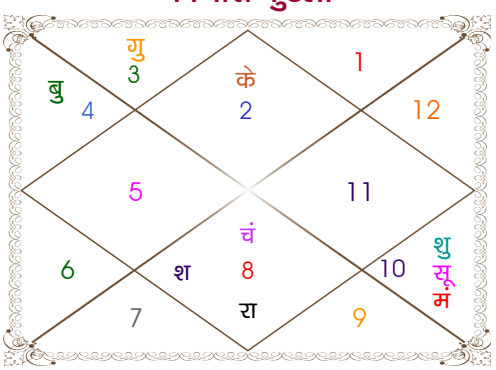

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 3 वर्ष 0 मास 8 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
07/08/1993		15/08/1996		15/08/2013		15/08/2020		15/08/2040	
15/08/1996		15/08/2013		15/08/2020		15/08/2040		15/08/2046	
	00/00/0000	बुध	12/01/1999	केतु	11/01/2014	शुक्र	15/12/2023	सूर्य	02/12/2040
	00/00/0000	केतु	09/01/2000	शुक्र	13/03/2015	सूर्य	15/12/2024	चंद्र	03/06/2041
	00/00/0000	शुक्र	09/11/2002	सूर्य	19/07/2015	चंद्र	15/08/2026	मंगल	09/10/2041
	00/00/0000	सूर्य	15/09/2003	चंद्र	17/02/2016	मंगल	16/10/2027	राहु	03/09/2042
	00/00/0000	चंद्र	14/02/2005	मंगल	15/07/2016	राहु	15/10/2030	गुरु	22/06/2043
	00/00/0000	मंगल	11/02/2006	राहु	03/08/2017	गुरु	15/06/2033	शनि	03/06/2044
	07/08/1993	राहु	30/08/2008	गुरु	10/07/2018	शनि	15/08/2036	बुध	09/04/2045
राहु	02/02/1994	गुरु	06/12/2010	शनि	19/08/2019	बुध	16/06/2039	केतु	15/08/2045
गुरु	15/08/1996	शनि	15/08/2013	बुध	15/08/2020	केतु	15/08/2040	शुक्र	15/08/2046

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
15/08/2046		15/08/2056		16/08/2063		15/08/2081		15/08/2097	
15/08/2056		16/08/2063		15/08/2081		15/08/2097		00/00/0000	
चंद्र	16/06/2047	मंगल	11/01/2057	राहु	28/04/2066	गुरु	03/10/2083	शनि	19/08/2100
मंगल	15/01/2048	राहु	30/01/2058	गुरु	20/09/2068	शनि	16/04/2086	बुध	29/04/2103
राहु	16/07/2049	गुरु	05/01/2059	शनि	28/07/2071	बुध	22/07/2088	केतु	07/06/2104
गुरु	15/11/2050	शनि	14/02/2060	बुध	14/02/2074	केतु	27/06/2089	शुक्र	08/08/2107
शनि	15/06/2052	बुध	10/02/2061	केतु	04/03/2075	शुक्र	26/02/2092	सूर्य	20/07/2108
बुध	14/11/2053	केतु	10/07/2061	शुक्र	04/03/2078	सूर्य	15/12/2092	चंद्र	18/02/2110
केतु	16/06/2054	शुक्र	09/09/2062	सूर्य	27/01/2079	चंद्र	16/04/2094	मंगल	30/03/2111
शुक्र	14/02/2056	सूर्य	15/01/2063	चंद्र	28/07/2080	मंगल	23/03/2095	राहु	08/08/2113
सूर्य	15/08/2056	चंद्र	16/08/2063	मंगल	15/08/2081	राहु	15/08/2097		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 3 वर्ष 0 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।